

ओ मां ! ( १०९ )

ओ मां ! ओ यशोदा मां तूं कितनी अच्छो है मां  
तू कितनी भोरी है मां प्यार प्यारी मां ।  
यह जो दुनिया है बन है कांटो का तू फुलवाड़ी है मां ॥

दूखन लागे मां तेरी अखियां

मेरे लिए जागी तूं सारी सारी रतियां  
मेरी निंदिया पै अपनी निंदिया भी तूने वारी है मां ॥१॥  
१५८ । गीत मरालिका

अपना नहीं तुझे सुख दुख कोई

मैं मुस्काया तू मुस्काई मैं रोया तू रोई  
मेरे रोने पै मेरे हसने पै तू बलहारी है मां ॥२॥

मां बच्चों की जान होती है

वो होते किस्मत वाले जिनकी मां होती है  
कितनी शीतल है कितनी निर्मल है न्यारी न्यारी है मां ॥३॥